



न्यायालय श्रीमान् मननीय बोर्ड आफ रेवेन्यू मद्रास प्रोवा लियर

Handwritten notes in the top left corner, including '500' and 'Lamin to stand clear'.

- १११ तारावाई पति ठोकारामे पुत्र फूलसिंग लोधी निवासी हाल मिर्जापुर तहो देवरी जिला सागर
- ११२ सिंग्रामसिंग तनय कनई लोधी निवासी सेध्वारा तहो देवरी जिला सागर

... रिबीजनकर्ता गण

विरुद्ध

- १११ भगुन्ती तनय परमानंद
- ११२ पंखोवाई पति झल्ला
- ११३ मुलावाई पिता झल्ला
- ११४ बालकिशन पिता झल्ला
- ११५ तुलसावाई पिता झल्ला
- ११६ बृजरानी उर्फ कौसावाई देवा परमानंद

सभी साकिन जनकपुर उर्फ मिर्जापुर तहो देवरी जिला सागर

.... उत्तरदाता गण

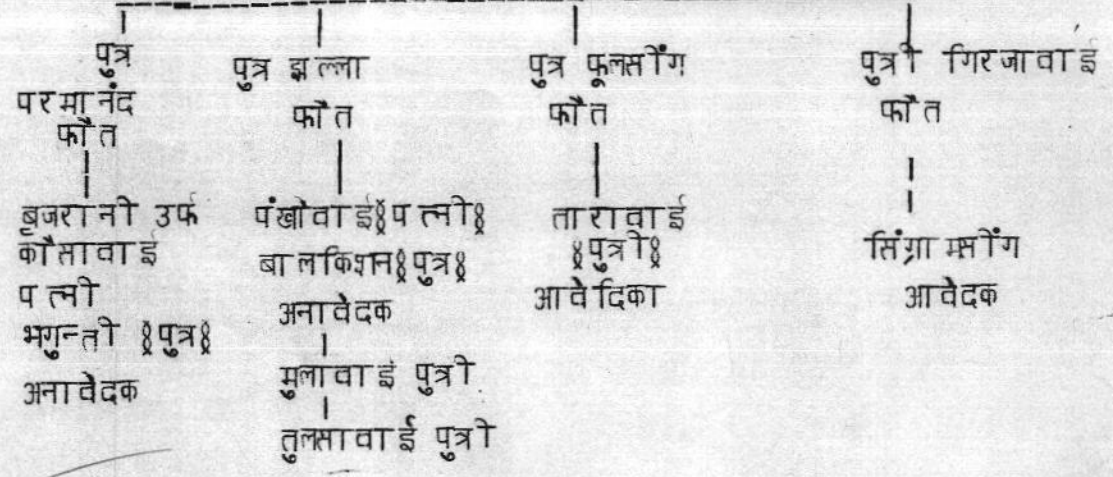
Handwritten notes and stamps on the left side, including 'RM/11-4/R/1019/93' and a date '11-11-93'.

रिबीजन निगरानी अन्तगत धारा 50 मद्रास प्रोवा संहिता 1959

यह रिबीजन निगरानी न्यायालय अतिरिक्त कमिश्नर सागर संभाग सागर के द्वितीय अपील प्रोक्रो 282अ/6 वष 92-93 में जादेश दिनांक 18.8.93 मे पारित आदेश से दुखित होकर के विरुद्ध निम्नलिखित तथ्यों एवं आधारों पर प्रस्तुत की जा रही है।

१११ यह कि, आवेदक गणों एवं अनावेदक गणों का पारिवारिक संजरा निम्नानुसार है:-

भगोले क्र. १



Handwritten signature and number '79-99-23' at the bottom left.

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ
भाग-अ

RN/11-4/

प्रकरण क्रमांक निगरानी 1019/1993

ताराबाई आदि विरुद्ध भगुन्ती आदि

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकारों अभिभाष आदि के ह
28-02-19	<p>आवेदक अभिभाषक द्वारा अभिलेख के आधार पर प्रकरण का निराकरण करने का अनुरोध किया। अनावेदक को कई बार सूचना देने के उपरांत कोई उपस्थित नहीं। अतः प्रकरण का निराकरण अभिलेख के आधार पर किया जा रहा है।</p> <p>2/ आवेदक द्वारा यह निगरानी अपर आयुक्त सागर संभाग सागर के प्रकरण क्रमांक 282/अ-6/1992-93 में पारित आदेश दिनांक 18-8-1993 के विरुद्ध म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के तहत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>3/ निगरानी मेमो में उठाये तर्कों के परिप्रेक्ष्य में अभिलेख का अवलोकन किया, जिससे प्रकट होता है कि नामांतरण प्रकरण में वैध वारिसों के संबंध में बिना जांच किये एवं बिना प्रक्रिया अपनाये तहसिलीदार ने आदेश पारित करने में त्रुटि की है। इसी कारण अनुविभागीय अधिकारी ने तहसीलदार के आदेश को निरस्त कर प्रकरण उभय पक्ष को सूचना देने एवं सुनवाई का अवसर देने के उपरांत आदेश पारित करने हेतु प्रकरण प्रत्यावर्तित किया है। अनुविभागीय अधिकारी द्वारा पारित आदेश को अपर आयुक्त द्वारा स्थिर रखा है। दानों अधीनस्थ अपीलीय न्यायलयों के समवर्ती</p>	

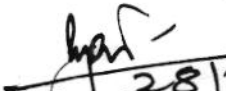
h~
28/2/2019

ताराबाई आदि विरुद्ध भगुन्ती आदि

निष्कर्ष है जिनमें हस्तक्षेप का कोई आधार इस निगरानी में नहीं है। आवेदक ने इस निगरानी में ऐसा कोई नये तथ्य पेश नहीं किये हैं जिससे अधीनस्थ न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप किया जा सके।

4/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी आधारहीन होने से निरस्त की जाती है। अपर आयुक्त सागर संभाग सागर द्वारा पारित आदेश दिनांक 18-8-1993 स्थिर रखा जाता है।

उभयपक्ष अभिभाषक को नोट कराया जाये।
प्रकरण दाखिल रिकॉर्ड हो।


(आर.के. जैन)
सदस्य
28/2/2019

3